IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, September 2025
Impact Factor: 7.67

"अयोध्या राम मंदिर" का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

(Effect of Ayodhya Ram Mandir on Indian Economy)

डॉ. दिनेश प्रसाद

अर्थशास्त्र विभाग

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़, भारत

प्रस्तावना

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का न केवल भारत के लिए अत्यधिक सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव पड़ेगा। राम मंदिर का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव एक जटिल और अनुगामी घटना है। भारत के धार्मिक पर्यटन में एक बड़ा बदलाव का अनुभव प्रतीत हो रहा है, जिससे राजस्व और दान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह देश के आर्थिक परिदृश्य में एक अनोखा कार्य है।राम मंदिर के निर्माण से प्राथमिक उम्मीदों में से एक धार्मिक पर्यटन में वृद्धि होगी। अपितु देश और दुनिया भर के तीर्थयात्रियों में न केवल अयोध्या बल्कि आसपास के अन्य धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों पर भी आने की पूरी-पूरी संभावना है। जिससे अयोध्या में पर्यटकों की कुल संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।पर्यटकों की अधिक संख्या से अयोध्या और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों भी बड़े पैमाने पर संचालित होंगी। जिसमें होटल, रेस्टोरेंट, दुकानों सहित स्थानीय व्यवसायियों की मांग अधिक बढ़ेगी।कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के अनुसार अकेले प्रतिष्ठा समारोह से पूरे भारत में 1,00,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ, जिसमें अकेले उत्तरप्रदेश राज्य में वर्ष 2024–25 में 5,000 करोड़ रुपये तक का धन संग्रह का अनुमान है।राम मंदिर से परिवहन एवं संचलन व्यवस्था, हवाई यात्रा, रेलवे एवं सड़क मार्ग आदि का भी अधिक मात्रा में विस्तार होगा। जिससे स्थानीय व्यापारियों एवं आम जनता को रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे, जिससे न केवल स्थानीय सरकार को भी राजस्व की प्राप्ति होगी और यह राम मंदिर कार्यक्रम के अनुरूप कुशल एवं अकुशल श्रमिकों—जिनमें वास्तुकारों, शिल्पकारों और इंजीनियरों और विभिन्न प्रकार के पेशेवरों—को रोजगार देकर रोजगार सृजन का एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगा।जिससे आने वाले चार–पांच वर्षों में लगभग 3,00,000 नौकरियां उत्पन्न होंगी, जिसमें उत्तरप्रदेश की दशा एवं दिशा पर एक घनात्मक प्रभाव पड़ेगा। जिसमें राम मंदिर से स्थानीय खुदरा

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 5, Issue 2, September 2025 Impact Factor: 7.67

और साथ ही ग्राहकों की बढ़ती संख्या से खुदरा साथ और उम्मीद है उद्यमियों को स्मृति चिन्ह, धार्मिक कलाकृतियों और पारंपरिक शिल्प की मांग में वृद्धि देखने को मिल सकती है।

अयोध्या राम मंदिर का निर्माण, जिसकी अनुमानित लागत ₹1,800 करोड़ है, जिसका प्रबंधन श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा किया जाता है, जिसे फरवरी 2020 में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा बनाया गया था। सरकार ने ट्रस्ट को विदेश से फंड प्राप्त करने की अनुमति दी थी। 19 जनवरी 2024 तक ट्रस्ट नें 3,500 करोड़ रुपए का फंड एकत्र कर लिया था। यह मंदिर यूपी के लिए कई गुण-लाभ भी लाता रहेगा, जिसमे साल के अंत तक पर्यटन में 4,00,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करना और कर राजस्व में 20,000-25,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होगी। वहीं 2022 में अयोध्या में देखा जाए तो यह 23 मिलियन से अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया और राम मंदिर के पूरा होने के साथ-साथ यह शहर में 50 मिलियन आंगतुकों की वार्षिक आमद की उम्मीद है, जिससे नए आवास विकल्पों की मांग बढ़ेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का विस्तार, बेहतर सड़क, अन्य सुविधाएं शामिल हैं, जिसमें विमानन, रेलवे और सहायक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में विकास के अवसर पैदा होंगे। वर्ष 2022 में भारत का धार्मिक पर्यटन ऊंचे स्तर पर पहुँच गया है, जो तकरीबन 1,034 करोड़ रुपये से भी अधिक की कमाई हुई है। जो सालाना आधार पर 106% की भारी वृद्धि के साथ इस क्षेत्र से वर्ष 2028 तक 59 अरब रुपये का राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है और वही वर्ष 2030 से 2036 तक के मध्य 140 मिलियन स्थायी और अस्थायी रोजगार के सुनहरे अवसर उत्पन्न होंगे। इस समारोह में विशेष रूप से दूरसंचार विभाग (डी.ओ.टी) ने परंपरा के साथ प्रौद्योगिकी का सहज मिश्रण करते हुए प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को सुचारु रूप से आयोजित करने के लिये सहयोगात्मक प्रयास किये है। यह देखते हुए न्यूयॉर्क शहर के प्रसिद्ध टाइम्स स्कायर पर लाइव स्ट्रीम किया जाना सुनिश्चित किया गया है, जिसमें मुख्य रूप से शामिल हैं:-

- **ए आई**-उन्नत निगरानी कैमरे अयोध्या का शहरव्यापी सीसीटीवी नेटवर्क आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस है और 90 दिनों की विस्तारित अवधि में फुटेज कैप्चर करने के लिए प्रोग्राम किया गया है।
- **वाहन पहुँच रोकथाम प्रौद्योगिकी**- टायर किलर्स इस तकनीक का उपयोग अनाधिकृ त वाहनों को प्राण-प्रतिष्ठा समारोह स्थल के परिसर में प्रवेश करने से रोकने के लिए किया गया था।
- **स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली**- नियंत्रित यातायात प्रवाह सुनिश्चित करते हुए रणनीतिक रूप से 20 स्थानों पर लगाई गई यह प्रणाली आगंतुकों के लिए परेशानी-मुक्त यात्रा की सुविधा प्रदान करती है। आपात स्थिति के मामले में महत्वपूर्ण जानकारी केंद्रीय नियंत्रण कक्ष को प्रेषित की जाती है।

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, September 2025
Impact Factor: 7.67

- **कैश टेस्टेड बोलार्ड्स**- ये विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए बोलार्ड्स जन्मभूमि पथ के साथ गुजरने वाले सभी वाहनों को स्कैन करते हुए समन्वित वाहन हमलों से उच्च प्राथमिकता वाली संरचनाओं की रक्षा करते हैं।

सारांश में कहा जाए, तो राम मंदिर का निर्माण न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रमाण है, बल्कि इसने आर्थिक विकास के लिए उत्प्रेरक (Catalyst) के रूप में काम किया है और रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान किए गए हैं।यह अधिक जीवंत स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है, जिसमें राम मंदिर का अपना धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व दुनिया के सभी कोनों से पर्यटकों को अधिक आकर्षित करता है। यह देश के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संदर्भ (References):-

[1]. 2022 से पहले अयोध्या में भव्य राम मंदिर। द न्यू इंडियन एक्सप्रेस। आईएएनएस, 11 नवंबर 2019। अभिगमन तिथि 26 मई 2020।

[2]. From Parliament Floor. PM Modi Announces 15-Member Trust for Ayodhya Ram Temple; 5 Acres Alloted for Masjid" News 18, 5 February 2020 मूल से 31 दिसम्बर 2023 को पुरालेखित, अभिगमन तिथि 31 दिसम्बर 2023.

[3]. "Proof of temple found at Ayoudhya; ASI report" Rediff (अंग्रेजी में) 25 अगस्त 2020. मूल से 8 अक्टूबर 2020 को पुरालेखित, अभिगमन तिथि 7 अक्टूबर 2020.Agrawal, S.P., Aggrawal, J.C. (1992). Information India 1990–91: Global view. Concepts in communication informatics and librarianship.,Concept Publishing Company, पृष्ठ 489, ISBN: 978-81-7022-293-4

[4]. Fuller, Christopher John (2004). The Camphor Flame: Popular Hinduism and Society in.India. Princeton University Press, पृष्ठ 262, ISBN: 0-691-12048-XArchived from the original on 21 August 2023, retrieved 24 August 2020).

[5]. Kunal, Kishore (2016). Ayodhya Revisited (in English) (1st edition). New Delhi: Ocean Books Pvt. Ltd., पृष्ठ xxxii, ISBN: 978-81-8430-357-5